(b) what is the percentage of total advances by these banks which has been made to priority sectors?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED): (a) and (b) Total outstanding priority sector advances of public sector banks, private sector banks and foreign banks operating in India as at the end of March 1990, 1991 and 1992 (latest available) are given below. The percentages of priority sector advances to net bank credit are indicated in brackets.

(Amount in Rs crores)

	March 1990	March 1991	March 1992
Public Sector Banks	39418 (43.2)	42276 (40.0)	44581 (39.8)
Private Sector Banks	1463 (36.2)	1641 (34.5)	1886 (31.7)
Foreign Banks	540 (9.8)	641 (9.4)	693 (7.8)

Accumulated external debts

170. DR. BAPU KALDATE: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the total external debt upto the end of June 1993 and the corresponding debt-service ratio;

(b) the amount that will have to be spent in 1993-94 for servicing the external debt;

(c) whether it is a fact that new loans from the multilateral institutions are sought primarily to meet the liability of servicing the external loans; and

(d) what portion of the external debt will be utilized for development activities?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED): (a) As per the latest available data, the total external debt outstanding including N.R.I. deposits and short-term debt, is estimated to be U.S. $ 73.054 billion as on 31-3-1993. The debt service ratio calculated as per-centage of debt service payments to exports and invisible earnings is estimated to be 25.6 per cent during 1992-93.

(b) The total debt service payments is estimated to be Rs. 17390 crores during 1993-94.

(c) No, Sir.

(d) The entire external debt will be utilised for various developmental activities according to the terms and conditions of loan agreement mutually agreed to with the donors.

उत्तर प्रदेश में बैंकों में धोखाधड़ी के मामले

171. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1991–92 और 1992–93 के दौरान उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीयकृत बैंकों में धोखाधड़ी गबन, डकैती और जमाकर्ताओं के निक्षेपों के दुर्विनियोग

के मामलों की कुल संख्या कितनी है और इन घटनाओं के कारण राष्ट्रीयकृत बैंकों को प्रत्येक वर्ष कुल कितनी हानि हुई है ; और

(ख) उन बैंकों के नाम क्या-क्या हैं जहां ऐसे मामले प्रकाश में आये हैं और वे उत्तर प्रदेश में कहां-कहां पर स्थित हैं तथा संबंधित व्यक्तियों के विरूद्ध की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० अबरार अहमद) : (क) और (ख) भारतीय रिजर्व बैंक की वर्तमान आंकड़ा सूचना प्रणाली से पूछे गये ढंग के अनुसार सूचना प्राप्त नहीं होती है । तथापि, वर्ष 1991, 1992, और 1993 (मार्च, 1993 तक) के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक को भारत में सरकारी क्षेत्र के बैंकों द्वारा सूचित किये गये धोखाधड़ियों के कुल मामलों की संख्या और उनमें अन्तर्ग्रस्त राशि निम्न प्रकार है:—

वर्ष	धोखाधड़ियों की संख्या	अन्तर्ग्रस्त राशि (करोड़ रुपये)
1991	1535	62.65
1992	1702	119.79
1993 (मार्च तक)	509	16.43

यह जरूरी नहीं है कि धोखाधड़ियों के मामलों में अन्तर्ग्रस्त राशि उन वास्तविक हानियों की द्योतक हो जो बैंको को अन्ततोगत्वा उठानी पड़ी हैं । सामान्यतया बैंकों के पास उनके द्वारा दिये गये अग्रिमों को कवर करने के लिये कुछ प्रतिभूतियां होती हैं । बैंक दीवानी और आपराधिक मुकदमें भी दायर करते हैं और उपयुक्त राहत की भी मांग करते हैं । इसके अलावा, बैंक बीमा कवर भी लेते हैं ।

जहां तक वर्ष 1991, 1992, 1993 (जून तक) के दौरान उत्तर प्रदेश में सरकारी क्षेत्र के बैंकों में हुई लूटपाट/डकैतियों की घटनाओं और इन घटनाओं में अन्तर्ग्रस्त राशि का संबंध है, उनका ब्यौरा विवरण में दिया गया है

विवरण

वर्ष 1991, 1992, 1993 के दौरान उत्तर प्रदेश में सरकारी क्षेत्र के बैंकों में हुई लूटपाट/डकैतियों की घटनाओं में अन्तर्ग्रस्त राशि तथा गिरफ्तार किये ए व्यक्तियों की संख्या के ब्यौरे दर्शाने वाला विवरण

बैंक का नाम	शाखा का नाम	घटना की तारीख	अंतर्ग्रस्त धनराशि (लाख रुपये)	गिरफ्तार व्यक्तियों की सं०
1	2	3	4	5
		1991		
1. इलाहाबाद बैंक	बसन्तपुर सैथाली, गाजियाबाद	15–5–1991	0.61	—
2. इलाहाबाद बैंक	डी.वाई. कालेज एक्सटेंशन काउंटर ओराई, सलाम	17–5–1991	0.50	1

1	2	3	4	5
3. इलाहाबाद बैंक	इलायतपुर बर्रा, उन्नाव	6–9–1991	0.30	—
4. ओरियंटल बैंक आफ कामर्स	हलालपुर, सहारनपुर	10–8–1991	—	—
5. ओरियंटल बैंक आफ कामर्स	शाहजहांपुर	1–6–1991	3.70	2
6. पंजाब एंड सिंध बैंक	राम राज एंड देशम ब्रीज, मेरठ	27–9–1991	1.00	—
7. पंजाब एंड सिंध बैंक	शाहगढ़, पीलीभीत	24–1–1991	0.56	—
8. भारतीय स्टेट बैंक	बारापुरा, पीलीभीत	17–1–1991	2.13	—
9. सिंडिकेट बैंक	इक्रो, मेरठ	3–6–1991	0.50	—
	1992			
1. केनरा बैंक	एक्सटेंशन काउंटर, आगरा	5–5–1992	0.17	1
2. पंजाब नेशनल बैंक	एक्सटेंशन काउंटर, आई.डी.पी.एल. वीरभद्रां,देहरादून	8–8–1992	8.82	—
3. भारतीय स्टेट बैंक	काला ग्राउंड सर्विस काउंटर, देहरादून	5–6–1992	2.00	—
4. यूनियन बैंक आफ इंडिया	उकरौरा, वाराणसी	23–10–1992	2.23	—
	1993(जून तक)			
1. बैंक आफ इंडिया	बीजनौर, लखनऊ	12–6–1993	1.79	—
2. यूनियन बैंक आफ इंडिया	रामदयाल गंज, जौनपुर	26–6–1993	1.68	—